

॥ अथ काव्ये ह वाचि विरवासादुरमेव ॥

आशा काव्ये

1.637

I

ASHA ARCHIVES

३ भात ॥ आदगमत्र
 नतितिसवेकादस्य
 सनप्रभादेवषत्ताम
 आसथसिदकातवि
 :गच्छरकुमारकत्वा
 धा१ धागारेसाय
 तिजुले ॥ इतित्रिभ
 ति१ ॥ इतिसम्भ
 आसुनसुदिदरे



४ ॥ ॐ तम
 मुषपनुकारांतभ्या
 हापकाजानान्नि
 चक्षतनिधितक
 ॥ ५ ॥ न्वमं २ सुत
 रोगिमातयतवल्
 क्वालयगनि
 व १ ॥ नितम
 मु १ ॥ सुतम

कमिषास्याकहाहातुतिस्याक ॥ न्यतनव
आकरकपितव्यातु ॥ कुमरिपुगाजोरव्या
रिताहितासायाकसातलुथनेस ॥ जवषवलिको
जातितय ॥ कागापराकचेतलोतव्यानाजजमकावाडप
ससय ॥ कुमुमः चं जु दु दु धेलहामलजवुदिसाषा
लाडाः चः गाः गवदजातमाल ॥ सोधियोगियाकापकागा
तमालचोरससाचोसाचोईकापकावविषुरिहातिषित्तन
पाः गालेतुकिहपुवाहि ॥ जावेलसदधितल्वसावपेकालसवायदि



माल ॥ अथ ये पालीति विविधये ॥ मासव पोत च न ताप द्वा ना भु
त पास निलुठने ल ३ ज वष वरि को सत म ॥ खान ३ कु वष व को स
पुजा अति विवि ॥ का गा पता क वे त स्वा न घा ना ज ज म का च्या ड अ
थे द्वा म ॥ पुजा विवि च्या ड ड प चार द्वा म विवि ॥ लाः डाः हिः अ
हामलः अथ ये द्वा म ॥ उप विम अहि भति साधि चोल स्म दु दु म
न सिर ॥ वि धुरि गु गु कु अत गाले यल गत रु न ॥ का हि जा वे ल स
पु व दि प न र स ता अथ ये दि न ३ माल ॥ री गि जा दे सा य म व अ
न मो वार क ता म हा स ज्व लि त हा ला यः प्र ज्व ल २ रु त २ पि द्वा

पुत्रा ॥ इति श्री द
पत सुभ ॥ ७ ॥

तमपिरिपि
वाल ग्रह लक्षन ॥
दमहिता ११ यद्या
ह सालक्षन ॥ तस्य
धातोय २ कतिवतु
होई कहुवई पच



सम वाल ग्रह लक्षन
॥ ७ ॥

द्वि काय ॥ यका दस
यद्याद दिन ११ यद्या
दवरव ११ सया वालग
सत तम चाई व मि
ति लात त स्या सु दु
रा नील म मि दु द्य

पुजायाय हनुमानाय
 जगतका ह्याडस्वान
 जालमालः ह्याडचोमा
 ममाल ॥ हनुमानाय
 लुचये जपासल्लु
 लिकोसवल्लु ॥
 पताकलासुतेतस्यानज
 जम्बका लासुच्यार
 म्बासली कुचलि हान
 दिविय ॥ ह्याडस्वान
 हायाकि जारेनसतो
 कोलस वाय ला कुचक



त ॥ ह्याड
 जाकिमाल
 ल ह्याड वत नत
 त ॥ तुई पोता जम
 जवम हनिषवस हनि
 पुजामाल कागालासु
 जमका सगठि चित्त
 काय ॥ ॥ लान्या
 ल च्यात काय ॥ पुपा
 पुलि विषलि ईका
 वातुने दिने स्वस्य
 लकलमुजाता रुमा

या साति विवि ॥ पुसि ई ताहि ताया चा कयात्मनुचनेन १ च्य
तपुजा सायु विवि ॥ फागापताय चेत स्वागद्यानाजजमकातुयु
स सप्तपुजालं माल ॥ कचिलाः डाः दुदुः खलिः लषः पेजः दो वतय
मयि च्ये हायमाल ॥ च्यपातव्यपे च्येत कुलहासि हायमोः वि
पु ई का पेलनं तालोवाहि जावेलन लपु पविस्व ॥ दादि नादिसस्य
सपे कालत वास ॥ दिनस्वदु ३ माल ॥ शदगमं च्ये ॥ नम
भगवरे जाव ता यमि आरु पास दी दी फतु हनर चकेत हनर
ग्रहर भुतुर स्या हा ॥ च्यमं नं जादय सा वनाग सात दिन २ च्य
१ च्यतनं सा ति सुन हनुमा तपुजा सायु माल च्यत वि

इति श्री नयस बाल

कं नमरे वतिकाय
हलक्षन ॥ दसदि
दसवर्ष ॥ व
समात्र कमुंगु मे
लि वरवृ व हल
व चिरो ज दसम



ग्रहसमापतस्तु

॥ तत्त्व दसम बाल
त १० दसमहिना १०
शेषम चाह्वातु
लु ईरवार त्यए ह
मत्र ई प्वा च स्याय
बाल ग्रहया ॥ २०

स्वाच पाचा पातहा मल चये ३ ताव व्याता जंत वा स मल चये ३
जव सष व स लिको सु ह म त य ॥ का गा प ता प चेत स्वा न व्या ता ज ज
म का हा कु गु च ये ह्य सा ॥ ला इ न चा कु चालिः दु दुः चः व डिः
च ये ह्य य ॥ च य वि य ई का य का वि पुरि चेलः गा ले के स हा न ॥
वा हि जा बेल स द हि न दि ग ज सा पे का ल स वा य ॥ दि त स्व ह ना ल ॥ च
का द न मं च ॥ ॐ न म लो के स्व दा य चै लो के वि द्रा ष त क रा य भा यी
ग्र हां न ज य २ च न २ चार य द ह २ हुं फ र स्वा हा ॥ वा त २ पर के
मार ह दु म्मा न पु जा सा य मा ल स्वा न ज ज न का धा मु सी ति

वाल्मीकि

ॐ

इति श्री अरुमवालय

नमो कार्यकाय ॥

नदिलरमहिताएव
सुसिसुतुगनिमुचरो
इवमिषाचकनिरे
ज्वरवर्द्ध ॥ नागोडनहि
काद्विपारि स्याक ॥



हसमापतसुन

नवमवालयहलद्व
र्वि ॥ मेवमवाह
यचववर्द्धवर्द्धलपु
लवर्द्धविकारलोक
लिमचोवर्द्धगायन
व्ययासीतिलक

॥ हामलनापध्यासस्तु चनेम ३ जपनवप्रसलि को सतप्रपुजा चतेन
॥ कागातुमुपताकतयुचेतस्वागव्यागाजजमकातुमु ॥ चयातदाय ॥ हि
नवालाजादोनयजयसः साधलः लाः ५ः चः चालिः दुदुः चाकुः चयेहा ॥
स ॥ चप ॥ वालिकागुगुकुतलामलेषायावायेल ॥ गाले पचपोत
नी ॥ बाहिजायेल सदधि दिगद्वत्य वेकालया दयुतवाय ॥ दिगद्वह
त ॥ नादतयायमी च ॥ **॥ नमो श्रीप्रचण्डनामनि नमो नमो सर्व**
नामिपमजमगादनमदेवतासमुद्राधिसत्रुतु कनारिवा
ता ॥ चमेवनीदिनसुतमालगादनधाल ७ चतेनोति ॥

॥ १ ॥

॥ १ ॥

व्याल १ सादगादनर
सप्तमवालग्रहसमाप्त

तस्युपविष्टकाम ॥
हलसत ॥ चारुलमे
तिहाहास्याई दुहुहेई
ई नुचाजुई वाहा
वथैतेपासीतिविधि



व्येतनेसीति ॥ १ ॥
तलुम ॥ १ ॥

तस्य अहमवालगा
दयक लनमु विह
जलपुईवायस्या
आई नलातममम
चतेयाम ॥ १ ॥

[illegible]

॥६॥

जा चते वी सा ति जु ल
ग्रह समी पती सु नीर

ॐ नम अस्य तिका
लग्न ह लक्षन ॥ सप्
सप्त वर्ष ॥ हि कुरु
कथु म्या ई चो आदि
कथु म्या सु लु टि लो



ति ति श्री क
॥७॥ ॐ ॥

॥८॥ तत्प सप्त म
तदि न ७ सप्त म हि ना
लो त्य व ई क थु गा के
क स्या सु द्वा च अ
ई स म न म हा

॥ नरकादयसाचा कसा सल्लुखने अतपास स ३ ज वसव वसलि को सतय ॥
 कागा वामुपताक वामु चेतन नरकादा जे मका वामु च्यात हा स हिनवा
 ला जा दोतय ला हा च्य हि से दुदु व्यलि हाय ॥ व्युप विहू वाल स स पा
 यापा विपु रिमा क सा स ई का ॥ गले आले हल ते व अ पा वाय ॥ बाहि जा
 वेल स दधि न दि स स्व स्य पे का ल स ॥ दिन स्व हू वि य ॥ शर त मी न च्य ॥ ३ न
 मो ना रा य का य लो के विद्या पन क जा य सर्व ग ह न मो द्या य ह न २ च च
 हा स्य न मु चा मु च्य वलि ज ह ह स्वा हा ॥ च्य मी चै मा न ३ वाल १ भो ते ने सा
 ति जु ल ॥ ह नु मा न पु जा या य ह्या मु स्वा न ह्या मु ई ता ह्या मु ज ज म का
 द न या मी ग ल वा र वा च्य वा र वा वु च्य वा र वा हा गु वा र सै जि ड च्य ज

॥ ४५ ॥ बुद्धिबिलसो तिजुईसु

अमविदारिकाय॥

क्षत्रपाददिक पञ्चा
हाहादस्याई हेलमुक
सनिस्वालयवई हेलके
आगिचाईपि पुंसा
नाईपुन्यरम पुई॥



मकार्क ॥ ४५ ॥

तस्यपिचमवालशु
चला लप प्राये
ईवाथस्याकवपुदता
केतुई दसमं प्रव॥
माथी ईअरि सारु
मुकि स्यासी चिपारा

[illegible]

माला गंगा याम्य च मेव

माला हाहा याम्य च

प्रसन्न वरवाहि २ पु

॥ बाल ७ ॥ या फल

सेन पुजा जोल १ माला

बाल ग्रह सुम सा नि

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥



॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ शिव लस इन्द्र दिगम्बर काल दुवार सवाय ॥ दिन ३ ॥
कमाल देन ३ बलि वायु माल जारन साय जगत हर्ष ॥ निर्वच ॥
रावते नावना यत्र तेलो के दाघ नाय हन हत पक्ष न ब्रह्म दीना ॥
अरुपाय स्वाहा ॥ चाल २ चतुर्ती सादि ॥ ॐ सप्त गंगाया ॥
ति प्रथम काल ग्रह समा प्रसुभ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
दाय ॥ ॥ तस्य दुतिय काल ग्रह काल क्षत ॥ ॥ दुतिय दि
यमास २ दुतिय वर्ष २ अरु वई व वा किल वई व मिषा स्याद्
विव हत गपायु ॥ व कति न षो मुत य सु वा यु वं न म वा ॥
व ॥ रा हा दुहि हि नि व ॥ च यां सीति विविध त माल ॥ ॥

मावीनंदाया॥

१ मास १ वर्ष १
स्योऽतिवे
वस्वालयक
पीतिथ्यते॥
सप्तलुचने
राज्यताप
दशाला
दि॥



वालग्रहलक्ष्मणाता॥
दईवलेजोऽह्मच्च॥ स
वजाचायु॥ लतुईव
पुईवमिषास्यायु॥
पुसिईताहितायाचाका
वलिपातइजवपत्रलि
तोयुगुचितस्वानइजान
जःचःस्वासःमा
पुपदियचतोई



विपिन म. क. वि.

1.637

I